बहुत ही जल्द हवा से दौड़ेगी गाड़िया

Share |
12-October-2010

अब बहुत ही जल्द लखनऊ की सडको पर हवा से दौड़ेगी गाड़िया जिसका आविस्कार कर लिया गया है इस प्रयोग में सबसे पहले दो पहिया बाहनो को लाया जायेगा जिसके बाद इसका प्रयोग चार पहिया बाहनो में करने की तैयारी है जिससे ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से भी निपटा जा सकेगा। और खासबात यह है की इसका खर्च भी बहुत ही कम होगा इसके प्रयोग में पता चला है की 5 रूपये के हवा से ये 40 किलोमीटर तक का सफ़र तय कर सकेगा। इतना ही नहीं हवा से चलने पर इसकी स्पीड में भी कोई खास असर नहीं पड़ेगा इससे गाड़ी को 70 से 80 की स्पीड से आराम से चलाया जा सकेगा। लखनऊ और कानपुर के दो बैज्ञानिको ने मिल कर एक एयर इंजन का आविस्कार किया है जिससे दो पहिया बाहन में लगाया जा सकता है। इस आविस्कार के पीछे बढ़ रही ग्लोबल वार्मिग की समस्या है। बैज्ञानिको ने माना की ग्लोबल वार्मिग की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण ईधन है जो बाहनो में इस्तेमाल होता है। बैज्ञानिक मानते है की इस इंजन के लग जाने से ईधन की बचत होगी जिससे ग्लोबल बार्मिंग की समस्या से भी बचा जा सकता है। उ प्र राजकीय निर्माण निगम में प्रबंधक निदेशक के पद पर कार्यरत रहे वी आर सिंह (B R Singh) की इस इंजन को बनाने में मुख्य भूमिका रही। अपनी सेवा निब्रिती के बाद ये एस एम एस इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलाजी लखनऊ में एसोसियेट डाइरेक्टर के पद पर कार्यरत है, इसके साथ साथ इन्होने इस तरह के इंजन का आविष्कार किया। इसे बनाने की सोच उन्होंने अपने सेवा कल से ही सुरु कर दिया था लेकिन उसे अब जाकर तैयार कर पाए है। इन्होने खुद माना की देश में प्रदूषण का मुख्य कारण ये बाहन है जिसमे दुपहिया बाहन सबसे अभी है। इस आविस्कार शोध को अगर लगाया जाता है तो 50 प्रतिसत प्रदूषण पर रोक लग सकती है और इससे आज की सबसे बड़ी समस्या ग्लोबल वार्मिंग पर रोक लगाया जा सकता है। क्योकि बाहनो की संख्या दिन प्रतिदिन बढती जा रही है और इससे प्रदूषण जो पैदा हो रहा है उससे तरह तरह की विमारिया भी उत्पन्न हो रही है। इस आविस्कार का मुख्य उद्देश्य बाहनो के इंजन को रिप्लेस कर इस इंजन को लगाने का है जिसका खर्च भी बहुत कम आएगा साथ ही इसमें प्रयोग होने बाला हवा भी आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। हर कोई इसका प्रयोग कर सकेगा इसमें आम तौर पर गाडियों के ट्यूब में पड़ने वाले हवा का इस्तेमाल होता है जिससे हर कोई इस्तेमाल सकता है। इस इंजन को लगवाने से महगाई पर भी काबू पाया जा सकता है क्योकि इस इंजन में पड़ने बाली ५ रूपये की हवा से लगभग ४० किलोमीटर तक का सफ़र कर सकते है। साथ ही इसके रफ़्तार पर भी कोई खास असर नहीं पड़ेगा। इस इंजन में और सुधार किया जा रहा है जिससे हवा से चार पहिया बाहन भी चलाया जा सके। इस इंजन को और भी हैबी करने की तैयारी है साथ ही इस इंजन की इस्तेमाल वाली गाड़ी से दुर्घटना होने पर भी इससे कोई दूस परिणाम नहीं होने बाला है। इस शोध को विश्व के पटल पर रखा जाना है, साथ ही इसे विश्व के अनेको देशो ने भी इसे सराहा है। अब देखना यह है की इसका इस्तेमाल कितना संभव होगा और इसे लोग कितना अपनापाते है।